हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 2 अगस्त 2025

13 बाजरे की फसल में कई तरह के कीट रोग, बेहतर...

14 यूपीएस के विरोध में मनाया ब्लैक डे निकाला रोष...

इस बार सैनिक या स्वतंत्रता सेनानी फहराएंगे ध्वज

सरकारी स्कूलों में 15 अगस्त को मनेगा 'देश के रक्षकों को सलाम' कार्यक्रम

- प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इस बार सबसे ज्यादा शिक्षित बेटी की बजाए सैनिक या स्वतंत्रता सेनानी फहराएंगे ध्वज, सुनाएंगे प्रेरक देशभक्ति की गाथा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

देश जबसे आजाद हुआ है, तबसे 15 अगस्त के ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व दिन को देशभक्ति एवं गौरवगाथा से ओतप्रोत ढंग से मनाया जाता रहा है। इसके तहत हर वर्ष सरकारी स्कूलों में तिरंगे पर आधारित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। इस बार राज्य सरकार ने स्वतंत्रता दिवस पर सभी राजकीय विद्यालयों में देश के रक्षकों को सलाम नामक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस कार्यक्रम में गांव, शहर एवं वार्ड के सभी स्वतंत्रता सेनानियों, भूतपूर्व एवं कार्यरत सैनिकों को आंमत्रित किया जाएगा। इस बार की खास बात यह रहेगी कि तिरंगा के ध्वजारोहरण के लिए सबसे अधिक उम्र के सैनिक को विद्यालय प्रांगण में आंमत्रित किया जाएगा।

बता दें कि अबकी बार सरकार ने स्वतंत्रता दिवस में कुछ फेरबदल किया है। पहले जहां सबसे अधिक शिक्षित बेटियों के हाथों ध्वजारोहरण करवाया जाता था, वहीं इस बार सबसे अधिक उम्र के सैनिक से विद्यालयों में ध्वजारोहण करवाया जाएगा। इस कार्यक्रम की रूपरेखा स्कूल प्रबंधन समिति विद्यालय के शिक्षकों के साथ मिलकर तैयार करेगी। वही भूतपूर्व सैनिकों या स्वतंत्रता सेनानियों की सूची तैयार करेगी। चाहे वे किसी भी पद से रिटायर्ड हों। उन्हें ही बतौर मुख्यातिथि आमंत्रित किया जाएगा, जिससे कि वे अपने प्रेरक अनुभव साझा कर सकें। विद्यार्थी अपने अध्यापकों की सहायता से सैनिकों अथवा स्वतंत्रता सेनानियों के जज्बे व शौर्य की गाथा का लेख एवं वीडियो तैयार करेंगे, जिससे इस कार्यक्रम के दौरान दिखाया जाएगा।

देशभक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे: इस दिन पिछले सालों की भांति देशभक्ति और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में भाषण, गीत, नृत्य, निबंध, रंगोली, पोस्टर प्रतियोगिताएं व ऐसे संवाद सत्र आयोजित किए जाने हैं, जिनसे विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति क्षमता, रचनात्मकता और आत्मविश्वास में वृद्धि हो।

विद्यार्थियों द्वारा पत्र भी लिखे जाएंगे

राज्य के सभी राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में 6 अगस्त को कक्षा 3 से 5 तक सभी बच्चे अपने परिवार, रिश्तेदारी, गांव, शहर, कस्बे के सेना में कार्यरत सैनिकों, अधिकारियों को पत्र लिखेंगे। स्कूल शिक्षक इन पत्रों में से बेहतर पत्रों की छंटनी करइेंगे। छंटनी किए गए पत्रों को विद्यार्थीई अपने अध्यापकों व माता-पिता की मदद से 12 अगस्त को डाकघर में जाकर सैनिकों को भेजेंगे। पत्र लिखने के लिए पोस्टकार्ड या लिफाफे का प्रयोग किया जाएगा। बच्चों द्वारा लिखे गए कुछ विशिष्ट पत्रों का चयन करके सभी जिले यह सुनिश्चित करेंगे कि ये सभी पत्र 12 अगस्त तक निर्धारित हैडक्वाटर स्थल पर पहुंच जाएं। सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी इन पत्रों को हैडक्वाटर में भेजे जाने की सूचना 10 अगस्त तक एकेडमिक रिपोर्ट्स एचआरवाई एट द रेट जीमेल डॉट कॉम पर देंगे।

यह रहेगा कार्यक्रम शेड्यूल

15 अगस्त को सुबह 8:30 बजे विद्यार्थियों का विद्यालय में आगमन होगा। 9 बजे वरिष्ठ भूतपूर्व सैनिक द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। सवा नौ बजे राष्ट्रगान, सलामी एवं स्वागत भाषण होगा। 9:30 बजे मुख्यातिथि का प्रेरणादायक संबोधन होगा। 10:50 बजे देशभक्ति गीत, कविता, नाटक एवं नृत्य होंगे। 11:30 बजे विद्यार्थियों के लिए सैन्य सेवाओं पर जानकार देने का सत्र चलेगा। दोपहर 12:30 बजे खेल प्रतियोगिताएं एवं प्रश्नोत्तरी, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं धन्यवाद ज्ञापित किया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि सैनिकों एवं स्वतंत्रता सेनानियों से मिलेंगे तो वे उनके त्याग, साहस और अनुशासन से प्रेरणा लेंगे।

खबर संक्षेप

चोरी के चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

महेंद्रगढ़। सदर थाना पुलिस ने गांव के भूमिका वैटेरनरी कॉलेज में चोरी करने वाले चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान छत्तरपुर टिकरी निवासी अमर सिंह, कल्याण, ज्वाला सिंह और रामगोपाल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों को सीगडा क्षेत्र में झुग्गीझझोपड़ियों से पकड़ा और पूछताछ में उनसे बिजली वायर के बंडल बरामद किए हैं।

गुरु गोरखनाथ व जाहरवीर गोगा की झांकी कल

मंडी अटेली। खंड सिहमा में कल तीन अगस्त सायं चार बजे गुरु गोरखनाथ एवं जाहरवीर गोगा की छड़ी निशान की झांकी निकाली जाएगी। जानकारी देते हुए विकास भगत सिहमा ने बताया इस छड़ी निशान झांकी में जिले से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। यह छड़ी निशान की झांकी वेद मंदिर से शुरु होकर गांव के मुख्य मार्गों से होती हुई बस स्टैंड होते हुए गोगाजी मंदिर सिहमा में संपन्न हो जाएगी। उसके बाद छड़ी निशान की पूजा अर्चना की जाएगी। उसके बाद छड़ी निशान लेकर आए हुए श्रद्धालुओं को गोगाजी मंदिर में सम्मानित किया जाएगा।

जलभराव से मकानों की दीवार भुरभुराने लगी

दो साल में सीएम विंडो और नपा में दस शिकायत, फिर भी जलभराव

- शिकायत दर्ज करवाकर भी जलभराव की समस्या से परेशान वार्ड-1 के निवासी
- मच्छर पनपने से बीमारियों का बढ़ा प्रकोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

नगर पालिका के वार्ड-एक की फिरनियों में 24 महीने से जलभराव की समस्या बनी हुई है। समाधान के लिए लोग दो बार सीएम विंडो तथा 10 बार नपा कार्यालय में शिकायत दर्ज करवा चुके। बावजूद स्थिति यथावत बनी हुई है जिस कारण मकानों का भुरभुराना आरंभ हो गया। दीवारों में सीलन आने से छत गिरने का खतरा बढ़ गया। दूसरी तरफ लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया। परेशान लोगों ने जिला उपायुक्त से मौका निरीक्षण करके पानी निकासी के प्रबंध कराने की गुहार लगाई है।

संजय शर्मा, बिक्रम सिंह व मनोज कुमार ने बताया कि 2013 में मोहनपुर पंचायत व अंतर्गत ढाणियों को नपा में शामिल किया गया था। उस दौरान ग्रामीणों को शहरों की तर्ज पर बिजली-पानी, सीवर तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं देने का आश्वासन दिया गया था। लेकिन शहर के वार्ड-एक में शामिल ढाणी बायावाली में घरों से निकले दुषित पानी को डिस्पोज करने के प्रबंध नहीं। ढाणी की आधी फिरनी में तीन-चार फीट गहरे जलभराव की समस्या बनी हुई है।

अब बारिश होते ही जलभराव मकानों की सीढियों तक पहुंच गया। ऐसे में लोगों को घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। करीब दो साल से एकत्र पानी में बदबू उत्पन्न हो गई तथा मच्छर पनप रहे हैं। फरवरी महीने से नवंबर महीने तक गांव में मलेरिया, डेंगू तथा अन्य संक्रमित बीमारियों का प्रकोप बना रहता है। आधी ढाणी में सड़नमयी वातावरण रहता है जिसमें लोगों को सांस लेना भी मुश्किल हो गया।

समाधान के लिए नपा कार्यालय में एक के बाद ए करके 10 लिखित शिकायतें भी कराई गई, किंतु जिम्मेवार अधिकारियों ने मौका निरीक्षण करना तक उचित नहीं समझा। इसके बाद दो बार सीएम विंडो पर भी गांव की समस्या को दर्ज कराया गया। इस शिकायत पर क्या कार्रवाई हुई ग्रामीणों को आज तक मालूम पड़ा। उन्होंने बताया कि आमरास्ते में जलभराव रहने के कारण उन्हें बच्चों की शादियां मैरिज प्लेसों में करनी पड़ती है जहां अनावश्यक पैसों की बर्बादी और परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नांगल चौधरी। नगर पालिका के वार्ड-1 की फिरनी में मकानों के साथ में हुआ जलभराव। फोटो : हरिभूमि

पशुपालन व्यवसाय को छोड़ना हुआ मंजबूरी

लोगों ने बताया कि परिवार की आजिविका पशुपालन व्यवसाय पर निर्भर है। लेकिन चारा लाने के लिए खेतों तक पहुंचने का रास्ता उपलब्ध नहीं। जरूरी होने पर दूसरे मौहल्ले से होकर खेत में जाना होता है लेकिन उन रास्तों से वाहन लेकर नहीं जा सकते। ऐसे में उन्होंने मजबूरन पशु रखना बंद कर दिया जिससे आमदनी प्रभावित होने से परिवार का पालन-पौषण करना मुश्किल हो गया है।

सोमवार से आरंभ होगी समाधान प्रक्रिया

नपा के कनिष्ठ अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि वार्ड-एक (ढाणी बायावाली) में पानी निकासी की समस्या संज्ञान में है। समाधान के लिए टैंकों का प्रबंध किया था, किंतु बजट ज्यादा खर्च होने से ज्यादा दिनों तक संभव नहीं हुआ। अब स्थाई समाधान के लिए बोरवेल कराने का निर्णय लिया है। जिसके टैंडर भी छोड़ दिए, ठेकेदार को सोमवार को वर्क ऑर्डर जारी कर दिए जाएंगे।

महेंद्रगढ़। शहर की सिनेमा रोड़ पर बने गड्ढे। फोटो : हरिभूमि

19.25 लाख की लागत से होगी शहर की सड़कों की मरम्मत, एजेंसी को वर्क आर्डर किया जाएगा

महेंद्रगढ़। नगर पालिका की ओर से खस्ता हो चुकी शहर की सड़कों की जल्द ही मरम्मत कराई जाएगी। नगर पालिका ने इसके लिए 19.25 लाख रुपये की लागत से मरम्मत कार्य कराने का निर्णय लिया है। नपा ने सभी 15 वार्डों की सड़कों के पेचवर्क के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी की गई थी। नपा ने एजेंसी को वर्क ऑर्डर कर दिया गया है। जल्द शहर की सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू किया जाएगा। बारिश के चलते शहर की अधिकतर सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। कई जगहों पर तो सड़कें उखड़ चुकी हैं। वहीं, जलभराव के कारण गड्ढे नजर नहीं आते, जिससे आए दिन वाहन चालक हादसे का शिकार हो रहे हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति बेहद खतरनाक बनी हुई है। नपा के अधिकारियों का कहना है कि सभी 15 वार्डों में सर्वेक्षण कर उन स्थानों को चिन्हित किया जाएगा। जहां पेचवर्क की आवश्यकता है। जिन सड़कों की हालत ज्यादा खराब है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाएगा।

- गत माह नपा की ओर से शहर की सड़कों के पेचवर्क के लिए टेंडर किया गया था जारी, सभी 15 वार्डों की सड़कों की होगी मरम्मत

इन सड़कों की हालात हो चुकी है खस्ता: शहर के सिनेमा रोड, रेलवे रोड, आइटीआइ रोड, नागरिक अस्पताल के समीप, ब्रहमचारी रोड, डुलाना रोड, मोहल्ला खटीकान, मोहल्ला, मोहल्ला महायचान, मोहल्ला सराय, श्रीकृष्णा कॉलोनी, मोदाश्रम रोड व गोशाला रोड़ सहित शहर की अन्य सड़कों की हालात खस्ता हो चुकी है। बारिश के बाद इन मार्गों की स्थिति ओर भी गंभीर हो चुकी है। सड़क में बने गहरे गड्डे बन चुके है। सड़क पर जलभराव होने के बाद राहगीरों को गड्ढे दिखाई नहीं देते। ऐसे में हादसा होने का डर बना रहता है। सड़कों की मरम्मत होने के बाद आमजन को काफी फायदा मिलेगा।

जल्द शुरू होगा पेचवर्क का कार्य: नगर पालिका के चेयरमैन रमेश सैनी का कहना है कि शहर के सभी वार्डों की सड़कों की 19.25 लाख रुपये की लागत से मरम्मत कराई जाएंगी। एजेंसी को वर्क आर्डर जारी कर दिया गया है। आमजन से अपील की है कि वे मरम्मत कार्य के दौरान सहयोग करें ताकि काम बिना किसी रुकावट के पूरा किया जा सके। सड़क की गुणवत्ता में कोई कमी न हो और शहरवासियों को जल्द ही बेहतर सड़कें मिल सकें।

सीएचसी अटेली में पहली बार सफलतापूर्वक सीजेरियन से प्रसव कराया

- सरकार गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने को कर रही कार्य : आरती सिंह राव

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

हरियाणा सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में किए जा रहे सुदृढ़ीकरण प्रयासों की दिशा में शुक्रवार एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अटेली में पहली बार सफलतापूर्वक सीजेरियन सेक्शन के माध्यम से प्रसव कराया गया। यह उपलब्धि क्षेत्रीय मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई दिशा देने वाली है।

गांव बोचड़िया की रहने वाले अमरजीत सिंह की पत्नी सोनू यादव ने इस सर्जरी के माध्यम से 2.6 किलोग्राम की स्वस्थ कन्या को जन्म दिया। ऑपरेशन पूर्णतया सुरक्षित एवं सफल रहा, जिसमें चिकित्सकीय टीम की विशेषज्ञता और समर्पण का महत्वपूर्ण योगदान रहा। ऑपरेशन टीम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनम, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका, महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. तनेजा यादव तथा एफआरयू अटेली का अनुभवी पैरामेडिकल स्टाफ शामिल रहा। इस विशेष अवसर पर एफआरयू अटेली के प्रभारी डॉ. विजय कुमार यादव, नागरिक अस्पताल नारनौल से डॉ. हर्ष चौहान व सीएमओ कार्यालय से डीपीएम संदीप यादव ने समन्वय और निगरानी में सक्रिय भूमिका निभाई। उल्लेखनीय है कि महेन्द्रगढ़ जिले में चार एफआरयू नारनौल, महेन्द्रगढ़, कनीना और अटेली संचालित हैं, जिनमें अटेली और कनीना में यह सेवा हाल ही में प्रारंभ की गई है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और सशक्त बनाने हेतु निरंतर कार्य कर रही है।

मंडी अटेली। सीजेरियन से प्रसव करवाने वाली चिकित्सक टीम। फोटो :हरिभूमि

नारनौल शहर के 64.59 वर्ग किलोमीटर का 32 टीमें करेंगी सर्वे, फिर होगा नक्शा तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- हरियाणा के तीन शहरों का होगा स्थानिक ज्ञान-आधारित भू-सर्वेक्षण (नक्शा) तैयार
- प्रायोगिक तौर पर नारनौल, पंचकूला और मानेसर का चयन

शहरी स्थानीय निकाय विभाग हरियाणा डिजिटल इंडिया भू-अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत शहरी आवासीय क्षेत्रों का राष्ट्रीय भू-स्थानिक ज्ञान-आधारित भू-सर्वेक्षण (नक्शा) नामक एक परियोजना लागू करने जा रहा है। प्रायोगिक चरण के लिए हरियाणा के तीन शहर नारनौल, पंचकूला और मानेसर का चयन किया गया है। इसी संबंध में शुक्रवार भारत सरकार के भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव मनोज जोशी की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हुई।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद इस परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार ने बताया कि यह काम भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग से तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ शुरू होगा।

इस परियोजना का उद्देश्य शहरी आवासीय क्षेत्रों में रिकॉर्ड ऑफ राइट्स तैयार करने के लिए कानूनी प्रावधान बनाना, जमीनी स्तर पर डेटा संग्रह और सत्यापन गतिविधियों को करने के लिए सर्वेक्षण इकाइयां बनाना, और सार्वजनिक जागरूकता के लिए सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों को तैयार व कार्यान्वित करना है।

उन्होंने बताया कि इस कार्य को पूरा करने के लिए नारनौल शहर में 32 टीम में बनाई गई हैं। प्रत्येक टीम में पांच सदस्य होंगे। नारनौल शहर का कुल 64.59 वर्ग किलोमीटर का एरिया कवर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस सर्वे के बाद शहरी क्षेत्र में प्रॉपर्टी कार्ड ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। इस मौके पर जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार तथा नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी दीपक गोयल के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

एमसीसी की दाखिला सूची में कोरियावास मेडिकल कॉलेज का नाम नहीं!

नए कॉलेजों में एमबीबीएस के दाखिले करवाने में विफल रही भाजपा सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- प्रदेश में केवल पुराने छह मेडिकल कालेजों में ही दाखिले किए जाएंगे
- भाजपा सरकार की कथनी और करनी में बहुत अन्तर : राव सुखबिंदर

चिकित्सा परामर्श समिति (एमसीसी) ने एमबीबीएस में दाखिले की पहली काउंसलिंग के लिए अंतिम सीट मैट्रिक्स जारी कर दी है। जिसके अनुसार हरियाणा में केवल पुराने छह मेडिकल कालेजों में ही दाखिले किए जाएंगे। इससे साफ हो गया है कि इस बार भी नारनौल, जींद, भिवानी और यमुनानगर आदि में नए बने मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस के दाखिले नहीं होंगे, जो भाजपा सरकार की बड़ी विफलता है।

उक्त आरोप कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व अधीक्षण अभियंता राव सुखबिंदर सिंह ने लगाते हुए कहा है कि नारनौल का कोरियावास मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हो चुका है और ओपीडी भी शुरू हो चुकी है, किन्तु सरकार की इच्छा शक्ति के अभाव में इस कॉलेज में इस वर्ष भी एमबीबीएस कक्षाएं शुरू होने की संभावना समाप्त हो गई है। क्योंकि एमसीसी द्वारा जारी सीट मैट्रिक्स में प्रदेश के केवल छह मेडिकल कॉलेजों की ही सीट दिखाई हैं। इनमें भक्त फूलसिंह मेडिकल कॉलेज खानपुर कलां (सोनीपत), कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज करनाल, पीजीआई रोहतक, शहीद हसनखां मेवाती मेडिकल कॉलेज, नलहर (मेवात), श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज छांयसा (फरीदाबाद) और ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज फरीदाबाद शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की कथनी और करनी में बहुत अन्तर है। उसी का परिणाम है कि सरकार इस मेडिकल कॉलेज को शुरू नहीं करवा पाई। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह खुद इसी जिले की अटेली सीट से विधायक हैं, लेकिन इसके बावजूद कॉलेज में दाखिले नहीं करवा सकी। उन्होंने भाजपा नेताओं पर चुटकी लेते हुए कहा कि कॉलेज बनवाने और नामकरण को लेकर श्रेय लेने की होड़ लगाने वाले नेता भी अब मौन साधे बैठे हैं।

राव सुखबिंदर सिंह ने सरकार से पुरजोर मांग की है कि सरकार तुरंत सभी औपचारिकताएं पूरी करके दूसरी काउंसलिंग में दाखिले करवाने का प्रयास करें ताकि इस इलाके के साथ-साथ प्रदेश के प्रतिभाशाली बच्चों का भला हो सके।

क्षतिग्रस्त | बारिश का पानी टपकने से कांफ्रेस हॉल की सिलिंग गिरी व पंखे हो रहे खराब

4.6 करोड़ में बने नगर पालिका भवन के 4 साल में ही हालात बिगड़े, अनियमितताएं आई सामने

- हादसे के भय से नपा कर्मचारी उसमें जाने से करने लगे गुरेज
- 4.6 करोड़ की लागत से हिसार की निर्माण कम्पनी ने बनाया था भवन

दलीप दीक्षित ⏭ कनीना

कनीना में आयोजित रैली में मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल ने डिप्टी स्पीकर संतोष यादव के संयोजन में कनीना नगर पालिका भवन निर्माण की घोषणा की थी। इसके लिए 4.6 करोड़ का बजट मंजूर किया गया। फिर 2018 में हिसार की निर्माण कम्पनी के नाम से वर्क आर्डर जारी किए गए। जिसने नपा का तीन मंजिला भवन वर्ष 2020 में तैयार किया और अक्टूबर 2021 में नपा को सौंप दिया गया। दिलचस्प बात है कि भवन निर्माण करने वाली इस कम्पनी ने नियत समय के बाद समयावधि बढ़ाकर भवन को तैयार किया, जिसमें भारी अनियमितताएं बरती गई।

भवन बनाते समय छत के फर्स में नमी आने तथा दीवारों से सीमेंट का पलस्तर गिरने की समस्या दिखाई देने लगी थी। जिसे लेकर प्रबुधजनों ने विरोध भी जताया था। जिस पर ठेकेदार ने लीपापोती कर तत्परता से हैंडओवर कराने का कार्य किया। बात यह भी है कि मात्र चार वर्ष बाद नपा का यह भवन ऊपर से नीचे तक जर्जर हो रहा है। द्वितीय तल पर बनाए गए कांफ्रेस हॉल में लाखों रुपये की लागत से लगाई गई सीलिंग गिर गई है।

छत से बारिश का पानी टपकने से पंखे नीचे रखा फर्नीचर भी खराब हो रहा है। इस कांफ्रेस हॉल में पिछले समय से कोई भी बैठक, वीसी एवं अन्य प्रकार का कार्य नहीं किया जा रहा है। नपा भवन के ऊपरी दीवारों का पलस्तर गिर गया है। छत पर पीपल के पेड़ उगने लगे हैं। भवन की छत गिरने की संभावना बनी हुई है। नपा के कर्मचारी इसी भय के चलते वहां जाने से गुरेज करने लगे हैं।

कनीना। नगर पालिका भवन के कांफ्रेस हॉल में पानी टपकने से गिरी सिलिंग व खराब हो रहे पंखे।

क्या कहती है चेयरपर्सन

जब हरिभूमि ने इस संबंध में नपा की चेयरपर्सन डा. रिंपी लोढा से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल से पहले नपा भवन का निर्माण कार्य हुआ था। यह करोड़ों रुपये की लागत से भवन बनाया गया था। कम समय में भवन क्षतिग्रस्त होना कहीं न कहीं निर्माण कम्पनी पर सवालिया निशान खड़े करती है।

क्या कहते है सचिव

इस संबंध में नगर पालिका के सचिव कपिल कुमार ने बताया कि कांफ्रेस हॉल की जो सिलिंग क्षतिग्रस्त हुई है, उसका जल्द ही टेंडर लगाया जाएगा। टेंडर लगाकर क्षतिग्रस्त एरिया को दुरुस्त करवाया जाएगा।

एक स्वस्थ घोड़ा 44 किमी प्रति घंटे की चाल से दौड़ सकता है।

बिल्लियों के हर कान में 32 मांसपेशियां पाई जाती हैं।

इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स कर बनाएं अच्छा करियर

नालेज

यंगभूमि डेस्क

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स करना व इवेंट मैनेजमेंट के पोस्ट पर चयनित होना हर विद्यार्थी के लिए खुशी का पल माना जाता है। हर विद्यार्थी का करियर में सफल होने का सपना होता है। हर विद्यार्थी जाता है। कि वह आगे बढ़कर एक सफल करियर में प्रवेश करें। विद्यार्थी अपने करियर को सफल बनाने के लिए कई प्रकार की डिग्री व डिप्लोमा का सहारा लेता है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद अलग-अलग प्रकार के डिग्री व डिप्लोमा विद्यार्थी के सामने उपलब्ध होते हैं। डिग्री और डिप्लोमा बहुत सारे होते हैं। जिसमें इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है। आज के आर्टिकल में हम इस कोर्स की जानकारी देंगे।

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स क्या है

किसी भी शादी व पार्टी के लिए इवेंट को मैनेजमेंट करने वाला व्यक्ति इवेंट मैनेजर कहलाता है। इवेंट मैनेजमेंट करने से पहले विद्यार्थी के पास इवेंट मैनेजमेंट कोर्स का सर्टिफिकेट होना अनिवार्य है। इवेंट मैनेजमेंट कोर्स एक प्रकार का डिप्लोमा कोर्स है। जिसे विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात हासिल कर सकता है। सनातन की डिग्री के साथ साथ भी विद्यार्थी इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को कर सकता है और अपने कैरियर को बना सकता है। आज के समय में सबसे लोकप्रिय डिप्लोमा में इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है। हर विद्यार्थी इस कोर्स में अधिक रुचि रखता है। इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा कोर्स 2 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स है। जिसको पूरा करने के पश्चात विद्यार्थी को इवेंट मैनेजमेंट का सर्टिफिकेट मिल जाता है।

ऐसे बना सकते हैं करियर

इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा करने के बाद विद्यार्थी अपना करियर आसानी से बना सकता है। अगर विद्यार्थी को समारोह या किसी भी फंक्शन की प्लानिंग करने में बेहतरीन रुचि है। तो विद्यार्थी को यह डिप्लोमा करके अपने करियर को यहीं पर सफल बना देना है। किसी भी कार्यक्रम का आयोजन होने से पहले कार्यक्रम के आयोजन कर्ता इवेंट मैनेजर से मिलते हैं और इवेंट के बारे में पूरी प्लानिंग करते हैं। ऐसे में यदि आप भी इवेंट मैनेजर बन जाते हैं। तो आप भी अपना कैरियर इस क्षेत्र में सफल कर सकता है। यदि आप भी इवेंट मैनेजर बनने का सपना देख रहे हैं तो आप इवेंट मैनेजमेंट की डिग्री व डिप्लोमा को सबसे पहले कंप्लीट करना होगा। और उसके पश्चात ही आपको इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। हालांकि यहां डिग्री व डिप्लोमा के साथ-साथ आपके माइंड की स्किल बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं।

इन चरणों को फॉलो करना होगा

- सर्वप्रथम विद्यार्थी को 12वीं पास करना होगा।
- 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात विद्यार्थी अपने नजदीकी किसी भी इवेंट मैनेजमेंट कोर्स उपलब्ध करवाने वाली कॉलेज में जाकर अपने एडमिशन के लिए एप्लीकेशन जमा कर सकता है।
- जब आप एडमिशन के लिए जाते हैं। तो कई ऐसे कॉलेज मौजूद है, जहां पर आपको एडमिशन से पहले एक एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होगा।
- एंट्रेंस एग्जाम पास करने के पश्चात ही आप को एडमिशन दिया जाएगा।
- कई ऐसे कॉलेज है, जो आपको 12वीं के अंकों के आधार पर भी एडमिशन उपलब्ध करवा देते हैं।
- अलग-अलग चरणों के माध्यम से एडमिशन मिलने के पश्चात आपको अपने आवेदन फीस के साथ एडमिशन को कंफर्म कर लेना है।
- अब विद्यार्थी को 2 वर्ष के इस डिप्लोमा को पूरा करना है और इवेंट मैनेजमेंट कोर्स का सर्टिफिकेट हासिल करना है।

आगे बढ़ने के ढेर सारे मौके

करियर स्कोप

जब कोई भी विद्यार्थी किसी भी डिग्री व डिप्लोमा कोर्स को पूरा करता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी के दिमाग में एक ही सवाल उत्पन्न होता है कि इस कोर्स को करने के पश्चात मेरे लिए भविष्य में कौन-कौन से करियर के स्कोर पर मौजूद होंगे। इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स करने वाले विद्यार्थी को नाम से ही पता चल जाता है, कि करियर के स्कोप के तौर पर उसे इवेंट मैनेजर का काम करना होगा। लेकिन इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा के पश्चात कौन-कौन से अन्य करियर स्कोप मौजूद होते हैं।

कोर्स फीस : विद्यार्थी किसी भी डिप्लोमा कोर्स या डिग्री लेने से पहले उस कोर्स को करने में कितनी फीस लगेगी इसके बारे में आकलन लगाना पसंद करता है। क्योंकि हर विद्यार्थी अमीर परिवार से नहीं होता है। हर विद्यार्थी अपने अपने स्टैंडर्ड के हिसाब से ही डिग्री और डिप्लोमा लेने के बारे में सोचता है। इस कोर्स को करने के लिए सरकारी कॉलेज में 20000 रुपये तक का प्रतिवर्ष खर्चा आता है तो प्राइवेट कॉलेज में इस डिप्लोमा को करने का 100000 रुपये प्रति वर्ष तक खर्चा आता है और कई ऐसे प्राइवेट कॉलेज है। जहां इससे भी अधिक फीस आपको देनी पड़ती है।

यहां मिलता रोजगार

- शादी
- समारोह
- अवॉर्ड समारोह
- टीवी शो
- म्यूजिक लॉन्च
- म्यूजिक समारोह
- फिल्म अवॉर्ड
- फैशन शो
- थीम पार्टी
- प्रदर्शनी
- कोरपोरेट सेमिनार
- बर्थडे पार्टी समारोह

मिलते बहुत सारे विकल्प

जब विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास करके इवेंट मैनेजमेंट कोर्स के लिए आगे बढ़ता है। तो विद्यार्थी के सामने बहुत सारे विकल्प खड़े हो जाते हैं। जिसमें से किसी भी एक कोर्स का चयन करके विद्यार्थी को इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को पूरा करना होता है। इवेंट मैनेजमेंट के कौन कौन से कोर्स है।

सर्टिफिकेट कोर्स इन इवेंट मैनेजमेंट
डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट
पीजी डिप्लोमा इन मीडिया एंड इवेंट मैनेजमेंट
बेचलर इन इवेंट मैनेजमेंट, बीएससी इन इवेंट मैनेजमेंट, बीबीए इन इवेंट मैनेजमेंट, बीए इन इवेंट मैनेजमेंट, मास्टर इन इवेंट मैनेजमेंट, एमबीए इन इवेंट मैनेजमेंट

देश की सुरक्षा करने के लिए विशाल सेना की आवश्यकता

इंडियन नेवी में बनाएं करियर, अच्छी सैलरी के साथ-साथ मिलेगा देश सेवा का भी मौका

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

भारत देश अनेक सारे देशों की सीमाओं से सटा हुआ एक विशाल देश है। भारत की सीमाएं तीन से चार दुश्मन देशों से मिलती है। ऐसी स्थिति में देश की सुरक्षा करने के लिए एक विशाल सेना की आवश्यकता होती है। विशाल सेना के अंतर्गत नेवी भी शामिल है। बता देते हैं कि भारत के दक्षिण दिशा में विशालकाय समुद्र है। जहां से देश की सुरक्षा करना बहुत बड़ी चुनौती है और बहुत जरूरी भी है। ऐसी स्थिति में भारतीय नेवी का गठन किया गया है। यह काफी ताकतवर भारतीय सेना है, जो समुद्री मार्ग से आने वाले दुश्मनों का सामना करती है और देश को हमेशा सुरक्षित बनाए रखती है। इंडियन नेवी को हिंदी में नौसेना कहते हैं। यह फौज सामान्य फौज की तुलना में काफी ताकतवर होती है। इनके पास विशालकाय पानी वाले जहाज और पानी में चलने वाले हथियार होते हैं। इसके अलावा इन सैनिकों को पानी में युद्ध करने की पूरी ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि कभी भी युद्ध होने पर पानी में भी भारतीय सेना मुकाबला कर सकें। समुद्र में विभिन्न प्रकार के तत्व और तेल पाए जाते हैं। इसीलिए भारतीय सीमा के अंतर्गत आने वाले समुद्र की रक्षा भी इंडियन नेवी द्वारा ही की जाती है। इसके अलावा समुद्री मार्ग से होने वाले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार भी नेवी की नजर से होकर गुजरता है। इंडियन नेवी दुनिया के सबसे ताकतवर नेवी में से एक है। समय-समय पर आपने टेलीविजन पर देखा होगा, कि किस तरह से इंडियन नेवी द्वारा युद्धाभ्यास किया जाता है और सरकार द्वारा भी विभिन्न प्रकार के हथियार इंडियन नेवी को उपलब्ध कराए जाते हैं। हाल ही में विक्रांत नाम का सबसे बड़ा और विशालकाय जहाज इंडियन नेवी को मिला है, जिसे समुद्र में उतार कर युद्ध अभ्यास भी किया जा चुका है। इस तरह के युद्धाभ्यास के बाद दूसरे देशों की सेना भी भारतीय सेना से टकराने के लिए एक हजार बार सोचती है। भारतीय नेवी अफसरों को काफी सम्मान मिलता है। इसीलिए आज के समय के अनेक सारे युवा इंडियन नेवी के तहत जॉब करना चाहते हैं। लेकिन उन्हें इस विषय में कोई जानकारी नहीं है।

भारतीय नौसेना काफी ताकतवर

समुद्री इलाके में तैनाती

समुद्री इलाके में देश की सुरक्षा के लिए नौसेना को तैनात किया जाता है। भारतीय नेवी के पास हर तरह के हथियार और उपकरण है, जिसकी मदद से वह देश की सुरक्षा के साथ किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम है। इंडियन नेवी का सबसे बड़ा अधिकारी नौसेना अध्यक्ष होता है तथा इस सेना की सर्वोच्च कमान भारत के राष्ट्रपति के पास होती हैं। पश्चिमी देशों में प्राचीन काल से ही समुद्री यात्राएं की जाती है। लेकिन भारत में पहले ऐसा नहीं होता था। जब भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कदम रखें, तो वे समुद्री मार्ग से ही आए थे और उसके बाद समुद्र मार्ग से ही भारत के साथ पश्चिमी देशों में व्यापार शुरू कर लिया और समुद्र के रास्ते से ही सभी तरह के व्यापार किए जाते थे। समुद्र के रास्ते विभिन्न देशों की यात्राएं होती थी। इसीलिए महाराष्ट्र के छत्रपति शिवाजी महाराज ने सन 1674 में अपने शासनकाल में समुद्री सेवा की स्थापना की थी, उसे ही भारतीय इतिहास में इंडियन नेवी स्थापना कहा जाता है।

लंबा इतिहास

भारतीय नौसेना का इतिहास काफी पुराना है। भले ही आज के समय में इंडियन नेवी को अंग्रेजों की देन कहते हैं या अंग्रेजों को ही इंडियन नेवी का श्रेय देते हैं। लेकिन यह पूरी तरह से सही नहीं है क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने शासनकाल में समुद्री सेना का विस्तार कर दिया था, जिसके बाद आए अंग्रेजों ने अपने हिसाब से उसे विकसित किया और बड़े पैमाने पर फैलाया। यही वजह है कि आज के समय में हमें अक्सर लोगों द्वारा यह सुनने को मिलता है की अंग्रेजी शासन काल के दौरान ही आधुनिक भारत में इंडियन नेवी की स्थापना की गई थी, बल्कि स्थापना की बजाय विकास किया गया था। हिंदी में इंडियन नेवी को भारतीय नौसेना नाम से भी जाना जाता है।

ऐसे बनाएं करियर

- अब तक आप भारतीय नौसेना के बारे में जान चुके हैं और अब भारतीय नौसेना में जाने का मन बना चुके हैं। तो आपको इंडियन नेवी में जाने से पहले विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए
- आपको यह पता होना चाहिए की कि आप भारतीय नेवी में जाने लायक है या नहीं क्योंकि यह एक ताकतवर फौज है।
- यहां पर विभिन्न प्रकार की योगिता निर्धारित की गई है। इन योग्यता के आधार पर ही चयन किया जाता है।
- अगर आप नौसेना में करियर बनाना चाहते हैं। तो पहले इसका पूरा गणित समझ लीजिए।

शैक्षणिक योग्यता

- भारतीय नौसेना में यूपीएससी, एनडीए के द्धारा ली जाने वाली परीक्षा के आधार पर ही चयन किया जाता है।
- उम्मीदवार का मान्यता प्राप्त बोर्ड से हाई स्कूल पास आउट होना चाहिए।
- इंटरमीडिएट परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ पास करने वाले उम्मीदवार भी इंडियन नेवी के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- अगर आपने कोई अच्छा कंप्यूटर कोर्स किया है, तो आपको इंडियन नेवी में चयनित होने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी।
- अगर आपको टेक्नोलॉजी का ज्ञान है और उसमें रुचि है तो इंडियन नेवी में आपका चयन आसान हो सकता है।
- इंडियन नेवी में आवेदन करने वालों का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है।
- इंडियन नेवी में आवेदन करने वालों का शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्णता स्वस्थ होना चाहिए।
- भारतीय नौसेना में भर्ती के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित की गई है।
- इंडियन नेवी में अप्लाई करने वाले कैडिडेट्स के लिए अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष तय की गई है।
- आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का मान्यता प्राप्त 10वीं अथवा 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है।
- उम्मीदवार को दसवीं अथवा 12वीं कक्षा में कम से कम 50% अंक प्राप्त करने आवश्यक है।
- आवेदन करने वाले अभ्यर्थी को हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।
- आवेदन करने वाले पुरुष अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम शरीर की लंबाई 157 सेंटीमीटर तय की गई है।
- महिला आवेदकों के लिए शरीर की लंबाई 152 सेंटीमीटर होना जरूरी है।
- पुरुष अभ्यर्थियों के छाती का विस्तारित आकार 5 सेमी होना जरूरी है।
- महिलाओं के लिए इस तरह के छाती के विस्तारित आकार की कोई योग्यता निर्धारित नहीं की गई है।
- इंडियन नेवी के आवेदकों का शारीरिक परीक्षण किया जाता है उसमें पास होना जरूरी है।
- उम्मीदवार अंधा नहीं होना चाहिए, दोनों आंखों से बराबर देखने वाला होना चाहिए।
- उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक रूप से पूर्णतया स्वस्थ होना जरूरी है।

इन प्रोसेस से गुजरना होगा

इंडियन नेवी में भर्ती के लिए तीन प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इन तीन प्रक्रियाओं के आधार पर जॉइनिंग की जाती है। वह इस प्रकार है।

लिखित परीक्षा फिटनेस टेस्ट मेडिकल चेकअप

इंडियन नेवी में भर्ती होने के लिए सबसे पहले परीक्षा देनी होता है जिसके लिए लिखित परीक्षा आयोजित करवाई जाती है। इस परीक्षा में पास होना जरूरी है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद भी आप नेवी परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस परीक्षा के लिए भी एग्जाम पैटर्न और सिलेबस निर्धारित किया जाता है। अगर आप उसे अच्छी तरह से समझ लेते हैं, तो यह परीक्षा पास करना आपके लिए काफी आसान हो जाता है। बता देते हैं कि इंडियन नेवी में लिखित परीक्षा के तहत फिजिक्स, केमिस्ट्री, सामान्य ज्ञान, मैथ इंग्लिश, रिजनिंग इत्यादि विषय को सिलेबस के तहत निर्धारित किया गया है। इस परीक्षा में 100 अंकों के 100 प्रश्न पूछे जाते हैं तथा यह परीक्षा केवल 60 मिनट में देनी होती है, जो उम्मीदवार इस परीक्षा को पास कर लेते हैं उन्हें फिटनेस टेस्ट के लिए भेज दिया जाता है लेकिन जो फेल हो जाते हैं। उन्हें वापस अपने घर लौटना होता है जो उम्मीदवार दूसरे चरण के फिटनेस परीक्षा भी पास कर लेता है उन्हें तीसरे चरण की मेडिकल परीक्षा के लिए भेज दिया जाता है। यहां पर उम्मीदवार के शरीर का मेडिकल टेस्ट किया जाता है जिसमें यह देखा जाता है कि उम्मीदवार पूरी तरह से मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ है या नहीं। और शरीर के सभी अंग सही ढंग से काम करते हैं या नहीं। इस टेस्ट में पास होने वाले उम्मीदवारों को ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाता है। वे इस परीक्षा में पास हो जाते हैं और ट्रेनिंग के बाद उन्हें जॉइनिंग मिल जाती है।

वर्तमान परिदृश्य में छात्रों के लिए समय का प्रभावी उपयोग करना बेहद जरूरी

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज का समय, वह दौर है जो न केवल चुनौतियों से भरा है, बल्कि अनगिनत अवसरों का खजाना भी लेकर आया है। डिजिटल क्रांति, ऑनलाइन शिक्षा का विस्तार, और वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों ने छात्रों के लिए नए रास्ते खोले हैं। लेकिन इसके साथ ही, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, भविष्य की अनिश्चितता और पढ़ाई का दबाव भी सामने आया है। ऐसे में, यह समय छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर है कि वे अपनी प्रतिभा को निखारें, अपने सपनों को पंख दें और अपने लक्ष्यों की ओर दृढ़ता से बढ़ें। यह लेख उन सभी छात्रों के लिए है जो इस परिदृश्य को समझकर समय का सर्वोत्तम उपयोग करना चाहते हैं और हर परिस्थिति में प्रेरित रहना चाहते हैं। समय एक ऐसी संपत्ति है जो कभी वापस नहीं आती, और छात्र जीवन वह दौर है जब आप इस संपत्ति को सही दिशा में निवेश करके अपने भविष्य को सुनहरा बना सकते हैं।

डिजिटल युग ने शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया

आइए, जानें कि इस समय का प्रभावी उपयोग कैसे करें और प्रेरणा की आग को कैसे जलाए रखें। सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि वर्तमान परिदृश्य को एक चुनौती के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए। डिजिटल युग ने शिक्षा को पहले से कहीं अधिक सुलभ बना दिया है। यूट्यूब, कोर्सेरा, खान एकेडमी जैसे मंच मुफ्त या किफायती कोर्स प्रदान करते हैं, जिनके माध्यम से आप प्रोग्रामिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, या कोई अन्य कौशल सीख सकते हैं। ये कौशल न केवल आपके करियर को नई दिशा देंगे, बल्कि आपको आत्मविश्वास भी प्रदान करेंगे। इसके लिए एक लक्ष्य-आधारित योजना बनाना जरूरी है। अपने दीर्घकालिक लक्ष्य को छोटे-छोटे दैनिक लक्ष्यों में तोड़ें। उदाहरण के लिए, यदि आप इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी कर रहे हैं, तो रोजाना 1-2 घंटे किसी कठिन विषय को समर्पित करें। एक टाइम-टेबल बनाएँ, जिसमें पढ़ाई, कौशल विकास, और आत्म-देखभाल के लिए समय हो। इस अनुशासित दिनचर्या से आप समय की बर्बादी से बचेंगे और अपने लक्ष्यों के करीब पहुंचेंगे। लेकिन ध्यान रहे, सोशल मीडिया और अनावश्यक स्क्रॉलिंग समय के सबसे बड़े चोर हैं। अपने फोन पर स्क्रीन टाइम लिमिट सेट करें और पढ़ाई के दौरान नोटिफिकेशन बंद रखें। प्रेरणा वह शक्ति है जो आपको कठिनाइयों के बीच भी आगे बढ़ने का हौसला देती है। लेकिन प्रेरणा को बनाए रखना आसान नहीं है, खासकर तब जब असफलताएँ, तनाव, या नकारात्मक विचार आपके रास्ते में आएँ। प्रेरित रहने का पहला कदम है अपने *क्यों* को स्पष्ट करना। आप पढ़ाई क्यों कर रहे हैं? शायद आप अपने परिवार को गर्व महसूस कराना चाहते हैं, या एक बेहतर भविष्य का सपना देखते हैं। इस *क्यों* को एक कागज पर लिखें और अपनी स्टडी टेबल पर चिपकाएँ। यह आपको हर दिन याद दिलाएगा कि आपका लक्ष्य कितना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, छोटी-छोटी जीत का जश्न मनाएँ। एक कठिन चैप्टर पूरा किया? एक नया कॉन्सेप्ट समझा? खुद को शाबाशी दें यह छोटी जीत आत्मविश्वास की नींव बनाती हैं। प्रेरक स्रोतों से भी जुड़ें। स्वामी विवेकानंद, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तियों की जीवनी पढ़ें, प्रेरक पॉडकास्ट सुनें, या यूट्यूब पर प्रेरणादायक वीडियो देखें। स्वामी विवेकानंद का यह कथन हमेशा याद रखें: *उठो, जागो और तब तक नहीं रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।* साथ ही, अपने आसपास सकारात्मक माहौल बनाएँ।

नकारात्मक लोगों से दूरी रखें

नकारात्मक लोगों से दूरी रखें और उन दोस्तों, शिक्षकों, या ऑनलाइन समुदायों से जुड़ें जो आपको प्रोत्साहित करें। चुनौतियां हर किसी के जीवन का हिस्सा हैं, और वर्तमान समय में ये चुनौतियाँ और भी जटिल हो सकती हैं। परीक्षा का दबाव, आर्थिक अनिश्चितता, या भविष्य की चिंता आपको विचलित कर सकती है। लेकिन इनका सामना करने के लिए आपको तनाव प्रबंधन की कला सीखनी होगी। रोजाना 5-10 मिनट ध्यान (मेडिटेशन) करें, गहरी सांस लें, या योग का अभ्यास करें। यह आपके दिमाग को शांत रखेगा और प्रेरणा को बनाए रखेगा। सकारात्मक आत्म-चर्चा भी एक शक्तिशाली हथियार है। मैं यह नहीं कर सकता की जगह कहें, मैं इसे सीख लूंगा। असफलता को डर के रूप में न देखें, बल्कि इसे एक शिक्षक के रूप में अपनाएं। हर असफलता आपको कुछ नया सिखाती है। थॉमस एडिसन ने बल्ब बनाने से पहले 1000 बार असफलता का सामना किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आप भी हर बार गिरकर उठने की हिम्मत रखें। इसके अलावा, पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें। हर 45 मिनट की पढ़ाई के बाद 5 मिनट का ब्रेक आपके दिमाग को तरोताजा रखेगा। स्वास्थ्य को कभी नजरअंदाज न करें, क्योंकि स्वस्थ शरीर और मन ही प्रेरणा का आधार हैं। रोजाना 20-30 मिनट व्यायाम करें, चाहे वह टहलना हो, योग हो, या कोई खेल। संतुलित आहार लें और पर्याप्त नींद लें। नींद की कमी आपके फोकस और प्रेरणा को कम कर सकती है।

सामान्य ज्ञान

1. इलेक्ट्रॉन के तरंग प्रकृति की खोज किसने की थी
(ए) थॉमसन
(बी) डी ब्रोग्ली
(सी) रदरफोर्ड
(डी) बोहर

2. तत्व के सबसे छोटे भाग को क्या कहते हैं
(ए) परमाणु
(बी) इलेक्ट्रॉन
(सी) न्यूट्रॉन
(डी) प्रोटॉन

3. डॉल्टन के परमाणु सिद्धांत के अनुसार कौन सा सबसे छोटा कण स्वतन्त्र रूप से रह सकता है
(ए) अणु
(बी) परमाणु
(सी) धनायन
(डी) ऋणायन

4. किसी परमाणु का रासायनिक व्यवहार निर्भर करता है, उसके -
(ए) न्यूक्लियस में प्रोटानो की संख्या पर
(बी) न्यूक्लियस में न्युट्रानो की संख्या पर
(सी) न्यूक्लियस के गिर्द घुम रहे इलेक्ट्रॉनो की संख्या पर
(डी) न्यूक्लियस में न्युक्लियनो की संख्या पर

5. द्रव्यमान संख्या' किसका योग है ?
(ए) केवल प्रोटान
(बी) इलेक्ट्रॉन और प्रोटान
(सी) इलेक्ट्रॉन और न्यूट्रान
(डी) प्रोटान और न्यूट्रान

6. किसी परमाणु के द्रव्यमान और द्रव्यमान संख्या के अंतर को कहते हैं
(ए) परमाणु क्रमांक
(बी) परमाणु संख्या
(सी) द्रव्यमान क्षति
(डी) इलेट्रॉनों की संख्या

7. किस न्यूक्लियर कण में कोई द्रव्यमान और आवेश नही होता ,किन्तु प्रचक्रण होता है
(ए) इलेक्ट्रॉन
(बी) प्रोटॉन
(सी) न्यूट्रॉन
(डी) मेसॉन

उत्तर 1.(बी) 2.(ए) 3.(बी) 4.(सी) 5.(डी) 6.(सी) 7.(सी)

खबर संक्षेप

सफाई कर्मियों का आंदोलन रहा जारी

नारनौल। नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई ने अपनी मांगों के बारे में 11वें दिन तक आन्दोलन जारी रखा। इस आंदोलन की अध्यक्षता इकाई प्रधान सुरेश कुमार जैदिया ने की। इकाई प्रधान ने बताया कि हमारी मांगे तब तक नगर प्रशासन मांगे नहीं तब तक आन्दोलन जारी रहेगा। हमारी मांगे तीन नवंबर 2017 का बकाया एरियर सहित अनेक मांगे है, जो अभी तक नहीं मानी गई। मांग पूरी होने तक हमारा धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। आंदोलन को और तेज कर दिया जाएगा। इस आंदोलन में जिला प्रधान राहुल सारवान, सचिव महावीर प्रसाद, राज्य कैशियर महेंद्रसिंह संगलिया, सुनील बोयत, मनोज कुमार, भूपेंद्र दरोगा, भीम सिंह, निरंजन लाल, राजू, रोशन, दीपक, आशु, कमल, श्याम सुंदर, दौलत, संतलाल, राजेश, विक्की, रॉकी, विक्रम, रोशन, राजू, विनोद, कमल, हेमन, नरेंद्र, विजय, मनोज, मनोज देवी, सुनीता देवी, निर्मला देवी, सुनीता देवी, निर्मला देवी, ममता देवी, बबली देवी, मंजू देवी, पूनम देवी, कांटा देवी, मीनू व मंजू आदि कर्मचारी आंदोलन में मौजूद रहे।

गिरदावर अशोक कुमार को मातृ शोक

मंडी अटेली। अटेली खंड के गांव बाछौद निवासी गिरदावर अशोक कुमार की माता तारावती का निधन हो गया। वह 78 वर्ष की थी तथा पिछले एक साल से बीमार चल रही थी। जानकारी देते हुए पंच प्रतिनिधि कृष्ण ने बताया कि अशोक कुमार के दादा श्रीराम गांव बाछौद के तीन योजना तक सरपंच रहे थे। तारावती अपने पीछे पति नित्यानंद, दो लड़के व दो लड़कियों पोता-पोती समेत भरापूरा परिवार छोड़ कर चली गई हैं। बुजुर्ग महिला बहुत सामाजिक व धार्मिक प्रवृति की थी। उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों ने हिस्सा लेकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके निधन पर पूर्व सरपंच सतीश कुमार, प्रकाश सिंह, सरपंच बाबूलाल, इंस्पेक्टर बलबीर, मास्टर धर्मेंद्र, सरंपच संजय बागड़ी, दिलबाग व रविंद्र आदि ने शोक प्रकट किया।

सरकार की शत-प्रतिशत खरीद की वजह से किसानों की मुख्य फसल बनी

बाजरे की फसल में कई तरह के कीट रोग, बेहतर कीट प्रबंधन करें तो बचाव

- जिले में लगभग एक लाख 20 हजार हेक्टेयर में बोई जाती बाजरे की फसल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

बाजरे की फसल में कई तरह के कीट और रोग लग सकते हैं, जो पैदावार को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए कृषि उप निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह ने किसानों को समय रहते कीट प्रबंधन करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि जिला में बाजरा खरीफ सीजन की मुख्य फसल है। जिला में यह लगभग एक लाख 20 हजार हेक्टेयर में बोई जाती है। बाजरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2750 रुपये प्रति क्विंटल है। सरकार द्वारा शत प्रतिशत खरीद की वजह से यह किसानों की मुख्य फसल बनी हुई है। बाजरा फसल में पहले कीट और बीमारियों का प्रकोप भी न के बराबर होता था, लेकिन पिछले दो-तीन साल से इस फसल में कुछ कीट तथा बीमारियां देखने में आ रही है। इसलिए यह आवश्यक है कि वे अपनी फसल को कीटों के प्रकोप से बचाने के लिए प्रभावी उपाय अपनाएं। बाजरे की फसल में कई तरह के कीट और रोग लग सकते हैं, जो पैदावार को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

नारनौल। बाजरे की फसल में लगा कीड़ा। फोटो :हरिभूमि

बुवाई से पहले खेत की गहरी जुताई करें

इसके अतिरिक्त एक अन्य कीट फॉल आर्मीवर्म भी बाजरे की फसल में देखने को मिल रहा है। फाल आर्मीवर्म के आक्रमण की पहचान पत्तों पर लंबे या गोल से आयताकार कटे-फटे छिद्रों द्वारा होती है तथा इसकी छोटी बड़ी मटमैले रंग की सूंड़ियां पौधों की गौभ को खाती हुई मिलती है। इसके नियंत्रण के लिए प्रति एकड़ पांच फेरोमोन ट्रैप लगाएं। आक्रमण देखते ही गौभ में सुखी रेत व चूने का 9:1 मिश्रण डालें। 200 लीटर पानी में मिलाकर पांच प्रतिशत प्रकोप तक एक लीटर एजाडाइरेक्टिन 1500 पीपीएम प्रति एकड़ की दर से छिड़के। इसकी पहचान पत्तों पर लम्बे या गोल कटे-फटे छिद्रों से होती है। इसकी सूंडियां पौधे की गोभ को खाती हैं।

ग्रसित पौधे पीले होकर सूख जाते हैं

यह बाजरे की फसल का एक प्रमुख कीट है। ये पौधे की जड़ों को काट देती हैं, जिससे पौधा मुरझाकर खत्म हो जाता है। इसके प्रकोप से खेत में कई जगहों पर खाली घेरे बन जाते हैं। इसके प्रौढ़ भूरे व हल्के भूरे रंग के होते हैं जो मानसून की पहली वर्षा के बाद भूमि से शाम को अंधेरे होने पर निकलते हैं और आसपास के वृक्षों पर इकट्ठे होकर पत्तों को खाते हैं तथा सुबह होने से पहले वापस जमीन में चले जाते हैं। इसकी लट अंग्रेजी के अक्षर सी के आकार की होती है। यह सफेद रंग की लट जिसका मुंह भूरे रंग का होता है। बाजरे की जड़ों को काटकर अगस्त से अक्टूबर तक नुकसान करती है। ग्रसित पौधे पीले होकर सूख जाते हैं कभी-कभी इस कीड़े का प्रकोप बाजरे की अगेती फसल यदि मानसून पूर्व की वर्षा हुई हो में भी आ जाता है। इसके नियंत्रण के लिए वृक्षों पर इकट्ठे हुए प्रौढ़ भूण्डों को वर्षा के बाद पहली व दूसरी रात्रि को वृक्ष हिलाकर नीचे गिराकर एकत्रित करें व उन्हें मिट्टी के तेल के घोल में डालकर नष्ट कर दें। यदि यह कार्य अभियान चलाकर किया जाए तो सर्वोत्तम है। प्रौढ़ भूंडों को मारने के लिए पहली व दूसरी और तीसरी वर्षा होने के बाद उसी दिन या एक दिन बाद खेतों में खड़े वृक्षों पर 0.05 प्रतिशत किवीनलफॉस 25 ई.सी. का छिड़काव करें।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी स्कूल में मनाई लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि

महेंद्रगढ़। शहर के बुचौली रोड स्थित यदुवंशी स्कूल में स्वतंत्रता सेनानी एवं महान समाज सुधारक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर छात्रों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में देशभक्ति का वातावरण छा गया। कार्यक्रम की शुरूआत बाल गंगाधर तिलक के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने भाषण, कविता आदि के माध्यम से उनके विचारों और कार्यों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए न केवल जानकारीवर्धक रहा, बल्कि उनके अंदर देशभक्ति की भावना को भी प्रबल किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि बाल गंगाधर तिलक न केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि उन्होंने स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, जैसे क्रांतिकारी विचारों से पूरे भारत को जागरूक किया। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा में योगदान देना चाहिए। ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि आज का दिन में यह सिखाता है कि देश की स्वतंत्रता केवल संघर्ष से नहीं, बल्कि विचारों और शिक्षा से भी मिल सकती है। सभी विद्यार्थी तिलक जी के विचारों को आत्मसात करें और अच्छे नागरिक बनें। मौके पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्र सिंह यादव ने भी सभी विद्यार्थियों को देश-सेवा के लिए प्रेरित किया।

सीएल स्कूल में आए राष्ट्रीय कवि सूरज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर में हुडा सेक्टर स्थित सीएल पब्लिक स्कूल में शुक्रवार राष्ट्रीय कवि सूरज बेनीवाल का आगमन हुआ। उनके आगमन पर स्कूल में विशेष प्रातःकाल सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूल प्राचार्य रविन्द्र सिंह ने उनका स्वागत किया। कवि सूरज बेनीवाल के व्यक्तव्य का मुख्य आकर्षण बच्चों को बुरी संगत से बाहर निकल अच्छी संगत अपनाना व अपने मुख्य कर्म पढाई पर अपना कीमती समय लगाना रहा। उन्होंने 22 वर्ष पूर्व डाकघर की नौकरी को त्यागकर अपना जीवन हिन्दी साहित्य को समर्पित कर दिया। अभी तक ये लगभग पांच करोड़ बच्चों को संबोधित कर चुके हैं तथा अपनी लिखी पांच किताबों से समाज में ज्ञान व बुद्धि का प्रकाश फैला रहे हैं। उन्होंने बताया कि अगर विद्यार्थी समय रहते अपनी पढ़ाई पर एकाग्रता से ध्यान दें तो वह शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त कर सकता है। उनके स्कूल आगमन पर प्राचार्य ने उनके द्वारा बताई गई बातों को जीवन में उतारने का संदेश भी विद्यार्थियों को दिया। इस मौके पर समस्त स्टाफ उपस्थित था।

नारनौल। बच्चों को संबोधित करते कवि सूरज बेनीवाल। फोटो :हरिभूमि

भगवान परशुराम वेलफेयर सोसायटी की बैठक आयोजित

सतनाली मंडी। भगवान श्रीपरशुराम वेलफेयर सोसायटी की बैठक का आयोजन किया गया। सोसायटी प्रधान शिवकुमार शास्त्री ने बताया कि वीरवार सांय कस्बा स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर में केदारमल सुरेहती जाखल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सोसायटी द्वारा किए जा रहे कार्यों सहित विभिन्न मुद्दों चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान के लिए एकजुट होकर समाज एवं देश के उत्थान के लिए प्रयास करना चाहिए और अपनी ताकत का प्रयोग समाज, प्रदेश एवं देश के उत्थान के लिए करना चाहिए । उन्होंने बताया कि बैठक में सोसायटी द्वारा करवाए जा रहे कार्यों के अलावा अन्य विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सोसायटी सदस्यों सहित कस्बे व क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर होगा आयोजन, बैठक में बनी रूपरेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भाजपा ने महेंद्रगढ़ जिले में "विभाजन विभीषिका संगोष्ठी" आयोजित करने के लिए जिला कार्यालय नारनौल में अहम बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने की व प्रदेश की तरफ़ से बोधराज सीकरी ने प्रमुख रूप से बैठक को संबोधित किया।

बोधराज सीकरी ने निर्देश दिए कि सात अगस्त को जिला मुख्यालय नारनौल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाए जिसमें सर्वसमाज के लोग और खासकर युवा पीढ़ी को आमंत्रित किया जाये। उन्हें विभाजन के समय हमारे पूर्वजों द्वारा झेली गई त्रासदी से अवगत कराना है। आने वाली पीढ़ी का भविष्य तभी सुरक्षित है जब वो अपने इतिहास से परिचित हों ताकि इस प्रकार की विपत्ति से सीख लेकर आगे हर परिस्थिति का सामना करने को आज की पीढ़ी व आने वाली पीढ़ी तैयार रहे।

यतेंद्र राव ने बताया कि इसके अलावा, आम जनता को विभाजन की पीड़ा और उससे जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में जागरूक करने हेतु सोशल मीडिया और जनसंचार माध्यमों का व्यापक उपयोग करने पर बल दिया जाएगा। बैठक के अंत में सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों के क्रियान्वयन हेतु समयबद्ध योजना बनाने और आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

बैठक का मुख्य उद्देश्य विभाजन की त्रासदी में अपने प्राण गंवाने वाले लाखों निर्दोष नागरिकों की स्मृति में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना था। बैठक में प्रदेश प्रवक्ता राकेश शर्मा, कार्यक्रम के संयोजक ओमप्रकाश वधवा, जिला महामंत्री योगेश शास्त्री, जिला उपाध्यक्ष वासुदेव यादव, जोगिन्दर राजपूत, जिला मंत्री मनीष संघी, पार्षद संजय अमन, संयुक्त अरोड़ा सभा प्रधान नरेश गोगिया, संरक्षक धर्मचंद छाबड़ा, कोषाध्यक्ष पवन अरोड़ा, बहावलपुर सभा प्रधान जगदीश किंगर, बालकिशन सचदेवा, रवि छाबड़ा, पूरनचंद व अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

नारनौल। बैठक में हिस्सा लेते भाजपा कार्यकर्ता। फोटो :हरिभूमि

धूमधाम से मनाई तुलसीदास की जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर के गोशाला रोड स्थित कन्हैया लाल रामजीदास फतेहपुरिया पंचायती धर्मशाला में बाल चरित्र निर्माण सभा का वार्षिक उत्सव एवं गोस्वामी तुलसीदास जयंती धूमधाम से मनाई गई। संस्था की संत गरीबदास शाखा के संचालक व रामचरितमानस के मर्मज्ञ जगदीश काटर, एवं युवा संगीतकार सत्यकाम कानौड़िया की देखरेख में सुंदरकांड के पाठ और सत्संग के साथ आरंभ हुए। समारोह में शाखा बगीची खटीकान एवं दक्ष प्रजापति चौपाल के बच्चों ने भी अपनी सुन्दर भागीदारी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्या भारती उत्तर क्षेत्र भारत के प्रभारी सुभाष चंद्र शर्मा ने अपने संबोधन में गोस्वामी तुलसीदास के जीवन चरित्र और योगदन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार मुगलों के शासन में गुलाम भारत की जनता को हिंदू धर्म की रक्षा करने के लिए कितना सफल प्रयास किया था। संस्था के निदेशक राजेंद्र कुमार भारद्वाज ने बताया कि आज विश्व कल्याणकारी सनातन धर्म के सूत्रों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक हो गया है। विशिष्ट अतिथि मोतीलाल गुप्ता बढ़ती हुई जनसंख्या से बेरोजगार युवा शक्ति का अनैतिक और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होना इस बात का प्रमाण है कि हम सभी बड़ों के द्वारा के द्वारा भारी चूक हुई है। इस अवसर पर संस्था के मुख्य संरक्षक सतवीर यादव भगत, फूलचंद यादव, मुख्य संचालक रतिराम टांक, ओमप्रकाश टांक, डॉ. नंदकुमार भारद्वाज, सुरेश कुमार वर्मा, राजेंद्र प्रसाद गौड़, यशपाल शर्मा, राजेंद्र पोपली, एडवोकेट युद्धवीर सिंह, अध्यापिका शारदा व प्रेम बहादुर आदि उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते शहर के लोग। फोटो : हरिभूमि

राव बहादुर सिंह डिग्री कॉलेज थनवास में हवन के साथ हुई नव सत्र की शुरुआत

नारनौल। प्रारंभिक शैक्षणिक सत्र के शुभ अवसर पर शिक्षा पथ की मंगल शुरुआत के लिए राव बहादुर सिंह डिग्री कॉलेज थनवास में धर्माचार्य नरेंद्र शर्मा व आचार्य विजय पाल के दिशा निर्देशन में हवन समारोह का आयोजन करवाया गया। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाई। डायरेक्टर सुनिता यादव ने बताया कि हवन समारोह से विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ संस्कारों का विकास होगा। संस्था निदेशका सुनिता यादव, डॉ प्रदीप यादव, डा .सुनिल यादव, सुनिल सैनी, सुनील डीपीई, सुरेश इत्यादि के साथ समस्त स्टाफ व विद्यार्थी पावन दिवस पर रहे उपस्थित रहे। यदुवंशी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि हवन से धार्मिक कार्यों के लिए हमें प्रेरणा मिलती है और वैज्ञानिक दृष्टि से इससे वातावरण भी शुद्ध रहता है।

नारनौल। हवन में हिस्सा लेते चेयरमैन राव बहादुर सिंह

भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुई शिवमहापुराण कथा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव पाथेड़ा स्थित श्री शिव सती मंदिर प्रांगण पाथेड़ा में शुक्रवार को कलश यात्रा के साथ शिवमहापुराण कथा शुरू हुई। इस दौरान शिव महापुराण के महात्म की कथा का वर्णन किया गया गए किस प्रकार देवराज ब्राह्मण को कथा से कैलाश में शिव चरणों की प्राप्ति हुई। इसके उपरांत कथा में बताया कि जीवन का कल्याण शिव कथा से संभव है। शिव सरल है शिव की भक्ति सरल है शिव कृपा उत्तम है इसलिए सबको शिव की पूजा करनी चाहिए। कथावाचक ने कहा कि श्रावण मास की महिमा का वर्णन किया। इस मास में भोले की विशेष आराधना की जाती है कावड़ यात्रा आदि से बाबा को प्रसन्न किया जाता है । एक जल एक पुष्प एक पत्र मात्र से शिवजी प्रसन्न प्राण हो जाते है। शिव तत्व को जानने के लिए शिव कथा में डुबकी लगाई जाए। ऐसी दिव्य कथा और ऐसी भव्य कथा जिससे बिंदुग और चंचुला जैसे प्राणियों का उद्धार हो गया। मौके पर राजकुमार, सत्यप्रकाश फौजी, गजेंद्र सिंह, हरेंद्र सिंह, संजय फौजी, रोहताश फौजी, चंद्रभान, पूर्व सरपंच महिपाल सिंह, राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सचिन आदि उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। कलश यात्रा निकालते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय में कक्षाएं आरंभ

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षाएं विधिवत एवं व्यवस्थित रूप से आरंभ हो चुकी हैं। सभी कक्षाओं का संचालन समय सारणी के अनुसार सुचारु रूप से प्रारंभ किया हुआ है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. पूर्ण प्रभा यह जानकारी सांझा करते हुए समस्त शैक्षणिक स्टॉफ को निर्देशित किया कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर के सभी विद्यार्थियों की कक्षाएं नियमित रूप से संचालित की जाएं, ताकि नव प्रवेशित विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करें और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दें। प्राचार्य ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे कक्षाओं में नियमित रूप से भाग लें, समय का सदुपयोग करें और पुस्तकालय का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के पुस्तकालय में स्पर्धा परीक्षाओं की तैयारी हेतु सभी आवश्यक पुस्तकें उपलब्ध हैं। अतः छात्रगण अपने खाली पीरियड में अध्ययन हेतु लाइब्रेरी का उपयोग करें।

जानकारी महेंद्रगढ़ की यादव धर्मशाला में शहीदों की याद में होगा कार्यक्रम

पांच को जेजेपी मनाएगी सामाजिक सरोकार दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जेजेपी की छात्र इकाई इनसो का स्थापना दिवस पांच अगस्त को हरियाणा प्रदेश भर में सामाजिक सरोकार दिवस के रूप में मनाएगी। इसी प्रोग्राम की तैयारी के लिए जिला प्रधान राजकुमार खातोद की अध्यक्षता में जिला कार्यालय नारनौल में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया।

जिला प्रधान खातोद ने बताया कि इनसो के युवा साथी हरियाणा के 22 जिलों में अलग-अलग सामाजिक सरोकारों से जुड़े अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। किसी जिले में रक्तदान शिविर,,कहीं कवि सम्मेलन, स्वास्थ्य चेकअप, पौधारोपण, सफाई अभियान, महिला शक्ति सेमिनार ,युवाओं को कृषि सेमीनार में कृषि की जानकारी, आई चेक अप कैंप, पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल और पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओमप्रकाश चौटाला द्वारा करवाए गए सामाजिक कार्य और विकास कार्यों की जानकारी देना, शहीदों की याद में सेमिनार वृद्ध आश्रम में साफ सफाई व बुजुर्गों की सेवा, मरीज को फल वितरण गौशाला में गायों की सेवा करना दान करना आदि अनेक सामाजिक कार्य किए जाएंगे।

सभी साथियों से विचार विमर्श करके जिला प्रधान ने बताया कि आने वाली 5 अगस्त को शहीदों की याद में यादव धर्मशाला महेंद्रगढ़ में सुबह 10 बजे आयोजन किया जाएगा। जिला प्रवक्ता विजय छिलरों ने बताया कि इसी दिन शहीदों के परिवारों का मान सम्मान किया जाएगा और उनके योगदान पर प्रकाश डाला जाएगा। जननायक जनता पार्टी जननायक चौधरी देवीलाल के विचारों पर चलते हुए प्रदेश के हर सामाजिक कार्य में बढ़-चढ़कर काम करती है।

आई डोनेशन का विश्व रिकॉर्ड भी जेजेपी की छात्र इकाई इनसो के नाम है। जिला प्रधान राजकुमार खातोद ने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द सीटीआई व एचटेट के निष्पक्ष परिणाम घोषित किया जाए। क्योंकि पूरे हरियाणा के युवा वर्ग पिछले कई साल से पूरी तैयारी कर के निराश होकर घर बैठे हैं और हर वक्त उनको बेरोजगारी ही हाथ लगती है। बेरोजगारी को दूर करने के लिए जल्द से जल्द हर विभाग में खाली पदों को भरा जाए।

नारनौल। बैठक करते जेजेपी जिला अध्यक्ष राजकुमार खातोद। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर इनसो के प्रदेश उपाध्यक्ष अनमोल गुप्ता, युवा नेता सतपाल परीकरा, दिनेश सैनी, शेरू मेहरमपुर, सुनील जेवली, हलका अध्यक्ष सुरेंद्र पेटीकरा नारनौल, अध्यक्ष बेदू राता अटेली, अध्यक्ष दिनेश राजपूत महेंद्रगढ़, प्रभारी विनोद भील, प्रधान प्रमोद ताखर नांगल चौधरी, वीरेंद्र घटाशेर, अधिवक्ता अजय चौधरी, नगर पार्षद संदीप भाखर, धर्मवीर प्रधान, राजकुमार जांगड़ा, सुनील रिवासा, जयवीर फौजी उन्हनी, जयपाल डालनवाश, रविंद्र बेवल, कुलदीप अटाली, पप्पू कोच अटाली, दीपचंद खुडाना, शेखर, थावर सिंह, बजरंग गुर्जर, जिला प्रवक्ता विजय छिलरो आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कल अटेली में 10वीं जूनियर हरियाणा स्टेट एथलेटिक्स प्रतियोगिता

मंडी अटेली। जिले के खिलाड़ियों के लिए 16 से 17 अगस्त को पांडु पिंडारा जींद में 10वीं जूनियर हरियाणा स्टेट एथलेटिक्स प्रतियोगिता होने जा रही है, जिसके लिए तीन अगस्त को सुबह नौ बजे से जिला महेंद्रगढ़ की एथलेटिक्स टीम का चयन राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल अटेली के खेल मैदान में किया जाएगा। प्रतियोगिता में अंडर 14, 16, 18, और 20 आयु वर्ग के लड़के और लड़कियां अलग अलग एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकेंगे। जिनकी पूरी जानकारी एथलेटिक्स हरियाणा की वेबसाइट पर उपलब्ध है। चयनित विजेता खिलाड़ी जिला महेंद्रगढ़ की टीम का प्रतिनिधित्व राज्य स्तर पर करेंगे।

सार्वजनिक सूचना

मै जिले सिंह पुत्र रूड़ा राम वासी गांव महरमपुर डा. धरसु तहसील नारनौल जिला गहेंद्रगढ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र योगेश कुमार जो कि शादी शुदा है। वह आए दिन शराब पीकर घर में लडाई–झगडा करता रहता है और मेरे व मेरी पत्नी के साथ मारपीट करता है। इसलिए मै उसको अपनी चल–अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इससे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे बाकि परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राजकीय एवं अराजकीय विद्यालयों के आठवीं से दसवीं के विद्यार्थियों के लिएक्वांटम युग का आगाज़: संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर आयोजित होगा विज्ञान सेमिनार

नारनौल। बीते वर्ष आयोजित सेमिनार का दृश्य। फोटो: हरिभूमि

यह मिलेगी एक वर्ष के लिए छात्रवृत्ति राशि

राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को चार हजार प्रतिमाह की छात्रवृत्ति एक वर्ष के लिए दी जाती है और नौ विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार के रूप में दो हजार प्रतिमाह की छात्रवृत्ति एक वर्ष के लिए दी जाती है। राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी के सभी प्रतिभागियों के लिए पुस्तके /वैज्ञानिक किट आदि भी दिए जाते है।

वैज्ञानिकों को विचारों के आदान-प्रदान का मिलता है अवसर

डीईओ सुनील दत्त ने बताया कि साइंस सेमिनार का आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक खोज के संबंध में रचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रवृत्ति जागृत करने के उद्देश्य से किया जाता है। उभरते वैज्ञानिकों को विचारों के आदान-प्रदान का अवसर मिलता है। जिला स्तर पर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी राज्य स्तरीय साइंस सेमिनार प्रतियोगिता में भाग लेंगें।

साइंस सेमिनार के नियम

साइंस सेमिनार में विद्यार्थी अंग्रेजी, हिन्दी अथवा कोई भी मान्यता प्राप्त भारतीय भाषा में अपने विचार रख सकते है। प्रतिभागी दिए गए विषय पर अधिकतम छह मिनट के लिये बोल सकते हैं। इसके पश्चात उसी विषय पर निर्णायकों द्वारा तीन प्रश्न पूछे जाते है और प्रतिभागी को उनमें से दो प्रश्नों का उत्तर दो मिनट में देना होता है। विद्यार्थी अपने विचार रखते समय सहायक चित्र जैसे पोस्टर, चार्ट, स्लाईड (35 मि.मि.) ऊपरी प्रक्षेपित चित्र या कम्पुटर पर बने स्थिर स्लाइड का इस्तेमाल कर सकते है जिनकी कुल संख्या अधिकतम पांच हो सकती है। थ्री–डी मॉडलों, चलचित्रों, पॉप-अप्स, रोल ओवर्स, वीडियो तथा फिल्मों की किसी भी रूप में अनुमति नहीं होती है।

अंक निर्धारण

प्रस्तुति में वैज्ञानिक तथ्य के 40 अंक, दृश्यों की प्रस्तुति में नवीनता के 15 अंक, वाव भाषा में प्रवाह के 25 अंक, प्रश्नों के उत्तर देने की क्षमता जिसमे लिखित परीक्षा के 10 अंक एवं मौखिक परीक्षा के 10 अंक निर्धारित किए गए है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजकीय एवं अराजकीय विद्यालयों के आठवीं से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए 'क्वांटम युग का आगाज़: संभावनाएं और चुनौतियां' विषय पर ब्लॉक से राष्ट्रीय स्तर तक विज्ञान संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम के तत्वावधान में जिला शिक्षा विभाग ने सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा सर्वप्रथम सात अगस्त को सुबह नौ बजे से ब्लॉक स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन सम्बंधित खण्ड के विद्यालय में किया जाएगा। इसके बाद जिला स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें पांचो खण्डों में खण्ड स्तर पर आयोजित विज्ञान सेमिनार में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता विद्यार्थी भाग लेंगे।

जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं से 10वीं कक्षा के सरकारी और निजी स्कूलों के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी को सेमिनार शुरू होने से पहले 20 मिनट की लिखित परीक्षा देनी होगी। प्रतिभागियों को दिए गए विषय पर पांच से छह मिनट की प्रस्तुति देनी होगी।

क्वांटम युग की शुरुआत एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है, जिसमें कई संभावित लाभ और चुनौतियां हैं। यह युग कंप्यूटिंग, संचार, और सामग्री विज्ञान जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति ला सकता है, लेकिन साथ ही साथ सुरक्षा और गोपनीयता जैसी नई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ेगा। इन चुनौतियों का समाधान करके, हम क्वांटम तकनीक के लाभों का उपयोग कर सकते हैं और एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। विज्ञान संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अन्वेषण और विश्लेषणात्मक सोच की भावना का विकास करना है। यह विज्ञान संगोष्ठी देश के प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में प्रतिस्पर्धात्मक आधार पर विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षा विभागों और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से आयोजित की जाती है।विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी ब्लॉक स्तर पर भाग लेते हैं। प्रत्येक ब्लॉक से दो विजेता जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। प्रत्येक जिले से दो विजेता राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेते हैं और प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश से केवल एक विजेता राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए पात्र होता है।

खबर संक्षेप

दो मनोनीत पार्षदों को दिलाई गई शपथ

कनीना। कनीना नपा के दो मनोनीत पार्षदों सवाई सिंह व नीलम देवी को नपा चेयरपर्सन डा. रिंपी लोढा ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान नगरपालिका के चुने हुए पार्षद व प्रबुधजन भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि नगर के विकास को लेकर सभी पार्षद एकजुट होकर कार्य करें। नपा क्षेत्र में विभिन्न कार्य योजनाएं क्रियान्वित हैं। जिनका प्राथमिकता के आधार पर समापन होने से आमजन को सुविधा होगी।

श्रीगणेश युवा मंडल ने की गणेश उत्सव की तैयारी शुरू

नारनौल। शहर में स्थित मौहल्ला खड़खड़ी के श्रीगणेश युवा मंडल के सदस्यों की श्रीराधा कृष्ण मंदिर में बैठक हुई। इसमें आने वाले गणेश उत्सव के बारे में चर्चा की गई। मंडल के प्रधान प्रवीण बंसल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणपति महोत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया जाएगा।

इस अवसर पर प्रधान ने कहा कि इस बार गणेश उत्सव कल्लुमल की बगीची में मनाया जाएगा। कार्यक्रम के तहत 27 अगस्त को ढोल नगाड़ों के साथ गणेशजी महाराज का आगमन होगा। विशाल ब्लड डोनेशन कैंप भी आयोजित किया जाएगा। सुंदरकांड पाठ भी होगा।

समाधान शिविरों की एडीसी ने ली समीक्षा बैठक

नारनौल। जिला के सभी उपमंडल पर हर सोमवार और वीरवार को लगने वाले समाधान शिविरों में आई शिकायतों की शुक्रवार अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में समीक्षा की गई। इस मौके पर एडीसी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि ये शिविर आम जनता को अपनी समस्याओं के निवारण के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। ऐसे में इनमें प्राप्त होने वाली हर शिकायत का समाधान तय समय-सीमा के भीतर हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की यह पहल जनता की हर तरह की समस्या के समाधान करवाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। सीएम विंडो और पोर्टलों पर दर्ज शिकायतों की रिपोर्ट ली।

सरकारी कर्मचारियों ने लघु सचिवालय पर पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की

यूपीएस के विरोध में मनाया ब्लैक डे निकाला रोष मार्च, जताया विरोध

अभी तक 30 लाख केंद्रीय कर्मचारियों में से केवल 31555 कर्मचारियों ने ही यूपीएस को अपनाया है।

नारनौल। लघु सचिवालय में प्रदर्शन करते सरकारी कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

ये संगठन मौजूद रहे

इस अवसर पर सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान कौशल यादव, प्रदेश सचिव महेंद्र बोयत, पंचायती राज से सुनील शर्मा व पंकज कुमार, ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल यूनियन रजि न. 681 संबंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय उपप्रधान सुभाष यादव, नारनौल ब्रांच के प्रधान दीपक शांडिल्य, जिला चेयरमैन राजेंद्र कामरेड, महेंद्रगढ़ ब्रांच प्रधान सुरेन्द्र फौजी, जिला प्रधान श्रीकिशन सिंह, कॉलेज प्राध्यापक संघ से डॉ. प्रवीण यादव, रिटायर्ड कर्मचारी संघ से कुलभूषण शर्मा, अध्यापक संघ से धर्मपाल शर्मा, हसला से अरविंद, सुबेसिंह चौहान, हंसराज, हरियाणा प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन से प्रधान कृष्ण नंगली, महेंद्र यादव, बिजली बोर्ड से प्रधान जितेन्द्र दांगी, जितेन्द्र जांगिड़, रमेश शर्मा व सिकंदर समेत विभिन्न विभागों के सैकड़ों साथी उपस्थित रहे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

यूपीएस के विरोध में जिला महेंद्रगढ़ के सरकारी कर्मचारियों खासकर शिक्षक वर्ग ने ब्लैक डे मनाया और लघु सचिवालय पर विरोध कर पुरानी पेंशन स्कीम को ही बहाल करने की मांग की। इस दौरान उन्होंने प्रशासिनक अधिकारियों को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी प्रेषित किया। इसके विरोध में कर्मचारियों ने अपने कार्यस्थल पर काले कपड़े पहने और काली पट्टी बांधकर अपना विरोध भी दर्ज करवाया।

पेंशन बहाली संघर्ष समिति के जिला प्रधान सुरेंद्र यादव ने बताया कि गत एक अप्रैल 2025 से केन्द्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों पर यूपीएस लागू कर दी गई और 30 जून तक कर्मचारियों को यूपीएस चुनने का विकल्प दिया गया, लेकिन अभी तक 30 लाख केंद्रीय कर्मचारियों में से केवल 31555 कर्मचारियों ने ही यूपीएस को अपनाया है, जिसकी जानकारी खुद केंद्रीय राज्यमंत्री पंकज चौधरी द्वारा लोकसभा में दी गई है। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि एनपीएस और यूपीएस कर्मचारियों की कभी मांग नहीं रही। एनपीएस और यूपीएस को जबरदस्ती कर्मचारियों पर थोपा जा रहा है। जिस कारण देश और प्रदेश के कर्मचारियों में एनपीएस और यूपीएस को लेकर भारी नाराजगी है।

जिला प्रधान ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार से हमारी मांग है कि अगर वह कर्मचारी हित चाहते हैं तो मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित संघर्ष कमेटी से वार्ता का दौर शुरू कर कर्मचारियों के सुझाव ले और ओल्ड पेंशन स्कीम बहाल करे। उन्होंने बताया कि हरियाणा में यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करने पर प्रदेश के कर्मचारियों/अधिकारियों ने रोष प्रदर्शन कर भारी नाराजगी जताई है। जिला महासचिव अशोक यादव ने कहा कि यूपीएस की घोषणा से यह भी स्पष्ट हो गया है कि सरकार स्वयं मान चुकी है कि एनपीएस कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा को पूरा नहीं करती है, जिसका प्रदेश का हर कर्मचारी पिछले कई सालों से विरोध करता आ रहा है और पुरानी पेंशन स्कीम की मांग कर रहा है। उन्होंने अब यूपीएस के नाम पर कर्मचारियों को गुमराह करने का प्रयास मात्र है, लेकिन प्रदेश का हर कर्मचारी एनपीएस और यूपीएस को समझता है। यूपीएस कर्मचारियों को पेंशन देने के लिए नहीं, बल्कि उनकी जीवनभर की बचत को छीनकर नाममात्र पे–आऊट देने की स्कीम मात्र है। उन्होंने मांग की कि पूर्व में गठित कमेटी के साथ फिर से वार्ता का दौर शुरू किया जाए और कर्मचारी हित में पुरानी पेंशन नीति को बहाल किया जाए।

नारनौल। न्यायमूर्ति संजय वशिष्ठ को मांग पत्र सौंपते बार प्रधान संतोख सिंह यादव।

हाईकोर्ट से न्यायमूर्ति ने किया कोर्ट का निरीक्षण, अधिवक्ताओं मांगें रखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला न्यायालय में शुक्रवार पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति संजय वशिष्ठ, निरीक्षण के लिए न्यायालय परिसर में पहुंचे। इस दौरान अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों की उपस्थिति में उनका भव्य स्वागत किया गया। निरीक्षण के पश्चात न्यायमूर्ति बार रूम में अधिवक्ताओं से मिले। जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संतोख सिंह यादव ने न्यायमूर्ति का गुलदस्ता और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका बार रूम में पधारने पर स्वागत किया। इसके बाद न्यायमूर्ति को बार की तरफ से मांगपत्र भी सौंपा गया। इस अवसर पर माननीय संजय वशिष्ठ ने अपने संबोधन में अधिवक्ताओं को न्याय व्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि बार और बेंच का परस्पर सहयोग ही न्यायिक प्रणाली की नींव है। उन्होंने विधिक सेवा की गरिमा, अनुशासन और सामाजिक दायित्वों पर भी विचार रखे।

आश्वासन दिया

प्रधान ने अधिवक्ताओं की ओर से तीन मुख्य आवश्यकताएं मांग रखी। इनमें लिटिगेंट हॉल और बार रूम की अदला-बदली, एडवोकेट्स के लिए नवीन चैंबर्स का निर्माण और कोर्ट परिसर में समुचित पार्किंग व्यवस्था मुख्य मांग रही। न्यायमूर्ति ने इन मांगों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक रूप अपनाते हुए आवश्यक कार्रवाई के लिए उचित दिशा-निर्देश देने का आश्वासन दिया।

स्मृति चिन्ह भेंट

इस गरिमामयी अवसर पर जिला बार एसोसिएशन की आधिकारिक वेबसाइट और डिजिटल अधिवक्ता निर्देशिका का भी शुभारंभ किया गया। वेबसाइट डिजाइन के लिए अस्मित यादव तथा डिजिटल अधिवक्ता निर्देशिका के लिए श्यामवीर सैनी एडवोकेट का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। न्यायमूर्ति ने बार के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इससे बार और न्यायिक संस्थानों के बीच संपर्क और पारदर्शिता को तकनीकी रूप से सशक्त किया जा सकेगा

विधायक ने डोहर खुर्द में माता एवं शिव परिवार मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ करते विधायक ओम प्रकाश यादव।

विधायक एवं पूर्व मंत्री ओम प्रकाश यादव ने शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के गांव ड़ोहर खुर्द में स्थित शीतला माता एवं शिव परिवार मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि वह स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे। ग्रामीणों के आशीर्वाद से उसे इस पवित्र स्थल के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना कर सभी क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। इसके उपरांत उन्होंने "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण किया और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा पर्यावरण की सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बरसात के इस मौसम में अधिक से अधिक पेड़ लगाकर हम न केवल पर्यावरण को संरक्षित कर सकते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

हकेंवि ने रेडी-टू-सर्व ड्रिंक के लिए किया तकनीकी लाइसेंस का समझौता

- समझौता पोषण एवं स्वास्थ्य से जुड़ी नवीन और सतत खाद्य तकनीक को समाज और उद्योग तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। तकनीकी करार को हस्तांतरित करते कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार व संजय जाखड़। फोटो: हरिभूमि

गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा कचरी आधारित रेडी-टू-सर्व (आरटीएस) पेय उत्पाद की तकनीक हेतु मैसर्स आरसीआईसीओ लिवेबल सेवन ब्लू रिफॉर्म फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, झज्जर के साथ समझौता किया है। इसके अंतर्गत दोनों संस्थानों के बीच टेक्नोलॉजी लाइसेंस एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। एग्रीमेंट पर हकेंवि की ओर से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार तथा लिवेबल सेवन ब्लू रिफॉर्म फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की ओर से निदेशक संजय जाखड़ ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता पोषण एवं स्वास्थ्य से जुड़ी नवीन और सतत खाद्य तकनीक को समाज और उद्योग तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कुलपति ने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान आधारित समाधान को व्यवहारिक स्वरूप में लाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा विकसित यह कचरी आधारित रेडी-टू-सर्व पेय उत्पाद न केवल किसानों को लाभ देगा, इससे नया उत्पाद विकसित करने का अवसर उपलब्ध कराएगा।

खबर संक्षेप

71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में मनीष सैनी को तीसरा राष्ट्रीय सम्मान, शॉर्ट फिल्म 'गिद्ध' को मिला अवॉर्ड

नारनौल। महेंद्रगढ़ जिले की अटेली विधानसभा के निवासी और चर्चित फिल्म निर्माता मनीष सैनी को 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में उनकी शॉर्ट फिल्म गिद्ध के लिए राष्ट्रीय सम्मान मिला है। यह मनीष सैनी का तीसरा नेशनल अवॉर्ड है, जिससे उन्होंने एक बार फिर अटेली और हरियाणा का नाम पूरे देश में रोशन किया है।मनीष सैनी के पिता सुगन चंद सैनी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं, जबकि माता सकुंतला देवी एक धार्मिक महिला हैं। बेटे को तीसरी बार नेशनल अवॉर्ड मिलने पर माता-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने कहा कि "भगवान ऐसा बेटा सबको दे, जिसने अटेली का नाम राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।पहले ले चुके सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का अवॉर्डइससे पहले मनीष सैनी को 65वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में उनकी पहली गुजराती फिल्म धह (2017) के लिए गुजराती में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का अवॉर्ड मिल चुका है। इसके बाद 69वें नेशनल अवॉर्ड में उनकी फिल्म गांधी एंड कंपनी को बेस्ट चिल्ड्रन फीचर फिल्म के तौर पर सम्मानित किया गया था।

एक ही रकबे की 4 बार पैमाईश होने के बावजूद दोनों पक्ष असंतुष्ट

कनीना। कनीना में रेवाडी रोड पर शुक्रवार को पटवारी सहित दो हालिया एवं दो पूर्व कानूनगो द्वारा विवादित समझी जाने वाली भूमि की पैमाइश प्रक्रिया शुरू की लेकिन पूरी न हो सकी। इस संदर्भ में कनीना के सहायक क्लेक्टर दलबीर सिंह दुग्गल की ओर से बीती 16 जुलाई को भूमि की पैमाइश के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था, जिसमें हालिया कानूनगो उमेद सिंह जाखड, राजसिंह व हलका पटवारी अनूप सुहाग सहित दो पूर्व कानूनगो रमेश कुमार व रघुवीर सिंह शामिल थे। जिन्होंने पूर्व निर्धारित समयानुसार शुक्रवार को दोपहर के समय पैमाईश को लेकर विचार-विमर्श शुरू किया, जहां दोनों पक्षों के प्रबुधजन उपस्थित थे।

विश्व स्तनपान सप्ताह: शिशु के जन्म के तुरंत बाद हो सके 1 घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करें

नारनौल। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत एक से सात अगस्त तक /"स्तनपान को प्राथमिकता दें, स्थायी सहायता प्रणालियां बनाएं/" थीम पर मनाए जा रहे विश्व स्तनपान सप्ताह का शुक्रवार शुभारंभ किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अशोक कुमार ने कहा कि विश्व स्तनपान सप्ताह मनाने का उद्देश्य माताओं को स्तनपान के लिए प्रेरित करना और उनके लिए एक सहायक वातावरण का निर्माण करना है। यह अभियान प्रदेश भर में नवजात शिशुओं और माताओं के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि स्तनपान मां और शिशु दोनों के लिए एक प्राकृतिक और अनमोल उपहार है। शिशु के जन्म के तुरंत बाद या जितनी जल्दी हो सके 1 घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। मां का पहला दूध जिसे कोलोस्ट्रम कहा जाता है, नवजात को बीमारियों से बचाने और उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का काम करता है। उन्होंने कहा कि पहले छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध ही देना चाहिए।

सड़क मार्गों व निचले स्थानों पर जमा हुआ बारिश का पानी, चलना मुश्किल

कनीना: 4 दिन में 37 एमएम बारिश से बिगड़ रहे हालात

- नगरपालिका प्रशासन की टीम कर रही मॉनिटरिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना। कनीना में बारिश के पानी से क्षतिग्रस्त हुई सड़क का दृश्य।

कनीना क्षेत्र में पिछले चार दिन से रूक-रूक कर हो रही बारिश से चंहुओर पानी-पानी दिखाई देने लगा है। मंगलवार को 74 एमएम बारिश हुई थी वहीं बुधवार को 10 एमएम, वीरवार को 59 एमएम और अब शुक्रवार को 37 एमएम बारिश रिकार्ड की गई। जिसका सड़कों पर पानी जमा हो गया है। खरीफ फसल जलमग्न हो गई हैं। फसलों में पानी जमा होने से नुकसान की संभावना बनने लगी है। वहीं बारिश के बाद उमसभरी गर्मी से निजात मिली है। तापमान में करीब सात डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। क्षेत्र में रात्रि का न्यूनतम तापमान 14 डिग्री तथा अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। अत्यधिक बारिश होने के बाद बारिश का पानी फसलों में जमा हो गया है। कनीना के उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ अजय यादव ने बताया कि कनीना ब्लाक में करीब 33 हजार हैक्टेयर कृषि योग्य भूमि में से करीब 20484 हैक्टेयर में बाजरा, 8114 में कपास, 674 में हरा चारा, 116 में ग्वार सहित अरहर, तिल आदि की खेती की गई है। जो अभरी तक दुरूस्त हालत में है। उन्होंने कहा कि सप्ताहभर बारिश का अनुमान है किसान फसल में सिंचाई न करें। महेंद्रगढ़-कनीना-कोसली स्टेट हाइवे 24 पर उन्हाणी के समीप रामपुरी रजवाहे के लीकेज साइफन के स्थान पर पानी जमा होने एवं क्षतिग्रस्त सड़क मार्ग से हालात ओर अधिक खराब होते जा रहे हैं। अटेली मोड, बस स्टैंड, गाहडा रोड सहित विभिन्न निचले स्थानों की हालत भी दयनीय बनती जा रही है। सड़क मार्ग खंडित होने से वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि कनीना में लोक निर्माण विभाग की ओर से बीते वर्ष सड़क के दोनों ओर बनाए गए नाले तक दुकानदारों द्वारा मिट्टी डाले जाने से सड़क पर जलभराव हो गया है। जिसे लेकर स्थानीय नागरिकों ने उपमंडल एवं नगरपालिका प्रशासन से पानी निकासी की गुहार लगाई है।

स्थाई समाधान का प्रयास किया जा रहा

नगर पालिका कनीना की चेयरपर्सन डा रिंपी लोढा ने कहा कि पानी निकासी के लिए स्थाई समाधान खोजने का प्रयास किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग की ओर से बीते समय बनाए गए नाले का कार्य अधूरा छोड़ने तथा जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग की ओर से सीवरेज सिस्टम को चुस्त-दुरूस्त नहीं करने की वजह से हालात खराब हो रहे है। रेवाडी रोड पर जमा पानी को निकालने के लिए लोक निर्माण विभाग की ओर से अस्थाई पंप लगाए गए हैं। नपा की टीम जलभराव वाले स्थानों पर नजर रख रही है। उनकी ओर से सड़क पर पानी नहीं ठहरने देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।